



NATIONAL SENIOR CERTIFICATE EXAMINATION
NOVEMBER 2011

HINDI SECOND ADDITIONAL LANGUAGE: PAPER I

MARKING GUIDELINES

Time: 2 hours

100 marks

These marking guidelines were used as the basis for the official IEB marking session. They were prepared for use by examiners and sub-examiners, all of whom were required to attend a rigorous standardisation meeting to ensure that the guidelines were consistently and fairly interpreted and applied in the marking of candidates' scripts.

At standardisation meetings, decisions are taken regarding the allocation of marks in the interests of fairness to all candidates in the context of an entirely summative assessment.

The IEB will not enter into any discussions or correspondence about any marking guidelines. It is acknowledged that there may be different views about some matters of emphasis or detail in the guidelines, and different interpretations of the application thereof. Hence, the specific mark allocations have been omitted.

भाग क

प्रश्न एक

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसपर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्यों में हिन्दी में दीजिए।

लव और कुश

श्री रामचन्द्र जी का विवाह सीता जी के साथ हुआ था। श्री रामचन्द्र और सीता जी के दो पुत्र थे। लव और कुश।

लव और कुश का जन्म ऋषि वाल्मीकि जी के आश्रम में हुआ था। दोनों राजकुमार आश्रम में ही बड़े हुए। वे ऋषि वाल्मीकि जी का बड़ा आदर करते थे। वाल्मीकि जी ने लव और कुश को पढ़ाया लिखाया। उन्हें रण विद्या की शिक्षा दी। ऋषि जी के आशीर्वाद से लव और कुश बड़े वीर बने। वे अपने पिता श्री रामचन्द्र जी को नहीं जानते थे।

एक बार श्री रामचन्द्रजी ने अश्वमेध यज्ञ किया। उस यज्ञ के लिए एक घोड़े को देश भर में घुमाने की विधि थी। घोड़े के पीछे पीछे सिपाही होते थे। जो कोई अपने को वीर समझता था। वह घोड़े को पकड़ता था। किन्तु उसे सिपाहियों से लड़ाई करनी पड़ती थी।

अश्वमेध यज्ञ का घोड़ा गया। लव और कुश ने घोड़े को पकड़ा। उन्हें अपनी वीरता दिखाने का अच्छा अवसर मिला। घमासान लड़ाई हुई। सब सिपाही मारे गये। शत्रुग्न जी सिपाहियों के नायक थे। अपने प्राण बचाकर भागे। बच्चों की वीरता का समाचार सुनकर श्री रामचन्द्रजी बड़े आश्चर्य में पड़े।

अन्त में श्री रामचन्द्रजी युद्ध करने आये। लव और कुश ने उन्हें लड़ाई के लिए ललकारा। युद्ध आरम्भ हुआ। सीता जी ने लव और कुश को युद्ध करने से रोका। “श्री रामचन्द्रजी तुम्हारे पिता हैं” सीता जी ने कहा। लव और कुश अपने पिता से मिलकर बड़े प्रसन्न हुए।

१. दिए गए प्रश्नों का उत्तर लिखो :

(१२)

- १.१ श्री रामचन्द्र जी का विवाह किसके साथ हुआ था ? २
श्री रामचन्द्र जी का विवाह सीता जी के साथ हुआ था ।
- १.२ अश्वमेध यज्ञ का वर्णन कीजिए ? ४
उस यज्ञ के लिए एक घोड़े को देश भर में घुमाने की विधि थी । घोड़े के पीछे
पीछे सिपाही होते थे । जो कोई अपने को वीर समझता था । वह घोड़े को
पकड़ता था । किन्तु उसे सिपाहियों से लड़ाई करनी पड़ती थी ।
- १.३ “आशीर्वाद” अपने शब्दों में हिन्दी में समझाइए ? २
पवित्र घोषित करना । वरदान देना । प्रसन्न होकर प्रशंसा करना ।
- १.४ सीताजी ने युद्ध क्यों रोका ? २
सीता जी ने लव और कुश को युद्ध करने से रोका । “श्री रामचन्द्रजी तुम्हारे
पिता हैं”
- १.५ इस कहानी से हमें क्या शिक्षा मिलती है । २
कि माता पिता का मान करन चाहिए । घमण्ड रखना अच्छी बात नहीं है ।

२. पाठ में से चुनकर समानार्थी शब्द लिखो : ४

२.१ शादी = विवाह

२.२ युद्ध = लड़ाई

३. पाठ में से चुनकर विलोम शब्द लिखो : ४

३.१ आरम्भ = अन्त

३.२ पुत्री = पुत्र

{२०}

प्रश्न दो

- २.१ निचे दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुन कर अवतरण की खाली
जगहों में लिखिए (५×२=१०)
जो , उसके , आयी, से, किसी , ऐसा

किसी देश में एक रानी रहती थी। वह बहुत बूढ़ी हो गयी थी। १ उसके _____ सभी दाँत गिर गये थे। उसकी आँखों २ से _____ दिखाई नहीं देता था। वह लाठी टेककर चलती थी। एक दिन महल में एक परी आयी। उसने रानी से कहा। तुम अपना बुढ़ापा ३ किसी _____ दूसरे आदमी को दे दो, और धन देकर उसकी जवानी ले लो। रानी ने बहुत ढूँडी पर उसे कोई ४ ऐसा _____ आदमी नहीं मिला ५ जो _____ धन के लिए अपनी जवानी उसे देने को तैयार था।

प्रश्न तीन

३. दिए गए प्रश्नों का उत्तर लिखो।

(२८)

३.१ कोष्ठक में से उचित उत्तर चुनकर लिखिए ६

- ३.१.१ यह प्रचीन समय _____ (का के की) कहानी है। २
३.२.२ लोग इस पक्षी _____ (से में पर) परेशान है। २
३.३.३ होली एक _____ (बरसात रंगीला फूलों) त्योहार है। २

३.२ नीचे लिखे वाक्यों को क्रम से लिखो। ४

- ३.२.१ होती है रात में की पूजा लक्ष्मी। लक्ष्मी की पूजा रात में होती है।
३.२.२ बच्चे को माँ अपने पालती है बड़े प्यार से। माँ अपने बच्चे को बड़े प्यार से पालती हैं।

३.४ इन शब्दों की स्त्रिलिंग शब्द लिखिए ४

- ३.४.१ बेटा बेटी
३.४.२ राजकुमारी राजकुमार

३.५ इन शब्दों को बहुवचन में लिखिए ४

- ३.५.१ खिलौना खिलौने
३.५.२ लोरी लोरियाँ

३.६ वाक्य का सही काल लिखिए। कोष्ठक में से उत्तर चुनिए। ६
(भूतकाल वर्तमान काल भविष्यत काल)

- ३.६.१ गुरुजी, आज सब बच्चे गेंद खेलेंगे। २ भविष्यत काल
३.६.२ वह खेल रहा है। २ वर्तमान काल
३.६.३ वह रास्ते पर ही रहना चाहता था। २ भूतकाल काल

३.७ शब्द समूहों के लिए एक शब्द लिखिए । ४

- ३.७.१ जो शिक्षा देते हैं । २ शिक्षक
३.७.२ जो कभी नहीं मरता । २ अमर

३.८ चित्र वर्णन : निम्न चित्र को देखकर प्रश्नों का उत्तर दीजिए ।

(१२)



- ३.८.१ इस चित्र को उचित शीर्षक दीजिए ? आप का उत्तर का कारण बताइए ? ४ छुट्टी । नानी बच्चे के साथ खेल रहे हैं । वे छुट्टी मना रहे हैं ।
- ३.८.२ यह लोग कहाँ है और यह क्या कर रहे हैं , उत्तर का कारण दीजिए ? ४ बच्चे औरत के साथ पार्क में खेल रही है । चित्र में बच्चे मैदान में है और वे खेलयन्त्र से खेल रहे हैं ।
- ३.८.३ यह स्त्रि कौन हो सकती है ? २ यह स्त्रि उनकी नानी या आजी हो सकती है ।
- ३.८.४ इस चित्र को देख कर आप में क्या भावना उठते हैं ? २ खुशी का भावना । सब बहुत हँसी खुशी से खेल रहे हैं ।

{७०}

भाग ख

साहित्य

प्रश्न ४ : कविता

(१६)

४.१ अपनी जमीन की तलाश

४.१.१ “अपनी जमीन की तलाश” में कविता का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए ? ४

इस कविता में कवि अपने देश के निवासी जो दूसरे देशों में बसने गए हैं। उनको निवेदन करते हैं। कवि उनको अपनी ज़मीन यानी देश के बारे में याद दिलाते हैं।

४.१.२ कवि ने क्यों इन्द्रधनुष शब्द बार बार प्रयोग किया है ? ४

कविता में इन्द्रधनुष शब्द का बार बार प्रयोग करते हैं क्योंकि यह एकता का प्रतीक है। साथ रंगों का मेल इन्द्रधनुष में ही होते हैं। इन्द्रधनुष का आकार रंग और दृश्य हमारे हृदय में खुशियों लाते हैं।

४.२ हिन्दी मरेगी नहीं

४.२.१ निम्नलिखित पंक्तियों को अपने शब्दों में संक्षेप व्याख्या कीजिए : ४

“हिन्दी मरेगी नहीं हम बढ़ायेंगे इसकी शान।” ४

छाहे जीवन में कोई भी कठिनाइयाँ आयें। हिन्दी भाषा मरेगी नहीं क्योंकि हम इसकी शोभा बढ़ाएँगे। हमारे धर्म और संस्कृति हिन्दी पर निर्भर है। हमारी शान हिन्दी से जुड़ी हुई है।

४.३ रामजन्म

४.३.१ कृपालु दीनदयाला, कौशल्या के हितु प्रभु प्रकट हुए। राम जन्म का वर्णन संक्षिप्त रूप में कीजिए। ४

इस में वे श्रीराम का जन्म का वर्णन करते हैं। वे कहते हैं कि कृपालू भगवान जो दीन दुखियों पर दया करते हैं कौशल्या मैया के हित के लिए प्रकट हुए। माता इस अनोखे रूप को देखकर खुश हुई। सावेंला सुन्दर शरीर थे। सुन्दर विशाल आँखें गहने और वनमाला पहने थे। चारों हाथों में अपने शस्त्र लिए शोभा के समुद्र श्रीहरि प्रकट हुए।

प्रश्न ५ : नाटक : मैं और केवल मैं (४)

५.१ लेखक मैं और केवल मैं में क्या सन्देश दिया है।

मैं और केवल मैं एकांकी के बहुत से पात्र अपने अपने स्वार्थ में मग्न रहते हैं। वे केवल मैं का विचार करते हैं। किसी दूसरे का विचार नहीं करते हैं। एकांकी का शीर्षक एकदम उचित है क्योंकि शीर्षक हमें नाटक का उद्देश्य दिखलाता है। एकांकी का मूल भाव यही है कि जहाँ सब लोग केवल मैं का विचार करते हैं। वहाँ कभी अच्छा परिणाम नहीं आता।

प्रश्न ६ : कहानी सालवती या दुख (६)

६ . किसी एक कहानी को चुनकर कहानी के अनुसार सही उत्तर कोष्ठक में से चुनकर लिखिए

६.१ दुख : सितंबर का (१ अंतिम प्रथम) सप्ताह था । वर्षा का समय बति जाने पर भी दिन भर पानी बरसता रहा । (२ रानी दिलीप) बैठक की खिड़की और दरवाजों पर पर्दे डाले बैठे थे । वितृष्णा और ग्लानि में समय स्वयं यातना बन जाता है । एकएक मिनट गुजरना मुश्किल हो जाता है । समय को बीतता न देख दिलीप खीझकर सो जाने का यत्न करने लगा । इसी समय जीने पर से (३ छोटे भाई छोटी बहन) के धम धम कर उतरते चले आने का शब्द सुनायी दिया ।

या

६.२ सालवती : (१ सालवती रूपमति) ने उसे पटककर तोड़ दिया । (२ पिंड हार) टूटते ही वैशाली की मुद्रा से अंकित एक स्वर्णखण्ड उसमें से निकल पड़ा । सालवती का मुँह खिल उठा ; किन्तु वृद्ध ने कहा बेटी! उसे सदानारी में फेंक दे । सालवती विषाद से भरी उस स्वर्ण खण्ड को (३ हाथ तैली) में लिए खड़ी रही ।

{३०}
[१००]

Total: 100 marks